प्रज्ञा–प्रवाह

पाठमाला एवं अभ्यास पुस्तिका

3

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

प्रज्ञा–प्रवाह

पाठमाला एवं अभ्यास पुस्तिका

3

प्रकाशक

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

नारायण भवन, लाजपतराय मार्ग, कुरुक्षेत्र – 13 6118

दूरभाष : 01744 – 259941 ई – मेल : vbukkkr@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं वितरक

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

नारायण भवन, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136-118

दूरभाष : 01744-259941 ई-मेल : vbukkkr@yahoo.co.in

वितरण-केन्द्र

भारतीय शिक्षा समिति, जम्मू कश्मीर प्रदेश

भारतीय विद्या मंदिर परिसर, अम्बफला, वेद मंदिर, जम्मू-180 005

दूरभाष : 0191-2547953

E-mail: bssjmu2006@yahoo.com
bssjk08gmail.com

सर्वहितकारी शिक्षा समिति, पंजाब

सर्वहितकारी केशव विद्या निकेतन, पठानकोट बाईपास, गुरु गोबिन्द सिंह एवेन्यू, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज, जालन्धर-144 009

दूरभाष : 0181-2421199, 2420876

E-mail: ses_jld@yahoo.co.in, ses.jld@gmail.com

हिमाचल शिक्षा समिति, शिमला

सरस्वती विद्या मन्दिर, हिम रश्मि परिसर, विकास नगर, शिमला-171 009, दूरभाष : 0177-2624624, 2620814

E-mail: shikshasamiti@sancharnet.in
himachalshikshasamitishimla@gmail.com

हिन्दू शिक्षा समिति, हरियाणा

संस्कृति भवन, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय परिसर, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

दूरभाष : 01744-270241, 251156

E-mail: hsskkr@yahoo.co.in

ग्रामीण शिक्षा विकास समिति, हरियाणा

संस्कृति भवन, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय परिसर, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

दूरभाष : 01744-270241, 251156

E-mail: gsvskkr@yahoo.co.in

हिन्दू शिक्षा समिति-दिल्ली

डी.ए.वी.व.मा. विद्यालय क्र. 2, शंकर नगर, दिल्ली-110 051

दूरभाष : 011-22008542

E-mail: hindushikshasamiti@gmail.com

हिन्दू शिक्षा समिति, न्यास

गीता बाल भारती परिसर, राजगढ़ कॉलोनी, दिल्ली-110 031

दूरभाष : 011-22002957

E-mail: mahamantri_nyas@yahoo.co.in
hssn2604@gmail.com

समर्थ शिक्षा समिति

सरस्वती शिशु/बाल मन्दिर परिसर, आरामबाग, डेसू कार्यालय के पास, पहाडगंज, नई दिल्ली-110055

दूरभाष : 011-23631216, 23631247

E-mail: samiti59@yahoo.com

नवीन संस्करण : 2018

वैधानिक चेतावनी

यह पुस्तक विद्या भारती उत्तर क्षेत्र द्वारा प्रकाशित है। इस पुस्तक का प्रत्येक भाग सर्वाधिकार सुरक्षित है।

मुद्रक:

बुलबुल प्रिंटिंग प्रैस

प्लॉट नं॰ 1831, दीप कॉम्प्लेक्स हल्लो माजरा, चण्डीगढ़

दूरभाष: 09988338711 ई-मेल: bulbulpress@gmail.com

लेखक : सन्तोष कुमार त्रिवेदी
एम.ए. (राज.शास्त्र, हिन्दी) बी.एड.

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	पाठ	जीवन मूल्य	पृष्ठ संख्या
1.	चन्दन है इस देश की माटी	देश भक्ति	1
2.	भारतीय नव वर्ष	भारतीयता	5
3.	विज्ञान के चमत्कार	वैज्ञानिक सोच	10
4.	बरखा रानी-बरखा रानी	प्रकृति सम्मान	15
5.	देश भक्त बालक	देश भक्ति	19
6.	देश गान	त्याग, समर्पण	22
7.	सोने का कंगन	श्रद्धा	26
8.	हे दयानिधे	प्रभु भक्ति	30
9.	भगिनी निवेदिता	गुरु भक्ति	34
10.	देश प्रेम के मतवाले	देश भक्ति	38
11.	शरीरं परं धनम्	कर्म का महत्व	42
12.	हमारा मंगलयान	स्वाभिमान	46
13.	स्वदेशी	देशभक्ति	49
14.	आओ बच्चो तुम्हें सिखाएँ	जीवन में आदर्श	53
15.	हाथी का बदला	सदाचार	56
16.	खेल खिलाड़ी खेल	खेलों में रुचि	60
17.	कौआ और गिलहरी	श्रम का महत्व	65
18.	रानी लक्ष्मी बाई	प्रखर राष्ट्रभक्ति	70
19.	नमन आपको	बड़ों के प्रति श्रद्धा	75
20.	हरि सिंह नलवा	वीरता	79
21.	चूहा-बिल्ली मित्रता	शक्ति से युक्ति बड़ी	83
22.	लाल बहादुर शास्त्री	जीवन-दर्शन	87
❇	प्रश्नपत्र प्रारूप क्रमांक 1	मूल्यांकन	92
❇	प्रश्नपत्र प्रारूप क्रमांक 2	मूल्यांकन	96

संकेत : प्रत्येक पाठ में एक से अधिक जीवन मूल्यों का समावेश है।

संदेश

प्रज्ञा–प्रवाह नामक यह पाठ्य पुस्तक कक्षा तृतीय के लिये श्री संतोष कुमार त्रिवेदी द्वारा संकलित की गई है। पुस्तक सरल एवं सुबोध है, प्रत्येक पाठ जीवन मूल्यों का प्रतिपादन करता दिखाई देता है। व्यक्तित्व विकास के सभी पहलुओं को स्पर्श किया गया है।

इस पुस्तक को पढ़ाने वाले आचार्यों तथा अभिभावकों से प्राप्त सुझावों के आधार पर इसका संशोधित नवीन संस्करण आपको समर्पित है। सुधार की प्रक्रिया सतत चलने वाली प्रक्रिया है। अतः यह कहना सत्य नहीं होगा कि अब इसमें और सुधार की आवश्यकता नहीं है।

इसका अगला संस्करण और भी अधिक पूर्णता को लिए हुए हो, इसके लिए अपने अमूल्य सुझाव भेजते रहिए, उनका स्वागत है।

मार्च 3, 2018

रत्नचन्द सरदाना

प्रकाशन प्रमुख

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

कुरुक्षेत्र

प्रस्तावना

इस पुस्तक के अध्ययन से भैया/बहन स्वतन्त्र चिन्तन द्वारा भाषा सीखने और समझने में नैसर्गिक क्षमताओं का रचनात्मक प्रयोग करने में सक्षम होंगे। पाठ्य वस्तु परीक्षा आधारित न होकर मूल्य आधारित बने तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (N.C.E.R.T) के मानकों के अनुरूप बनकर भाषा के चारों कौशलों (श्रवण, वाचन, पठन एवं लेखन) में अभिवृद्धि करने वाली सिद्ध हो, ऐसा प्रयास है।

कल्पना शक्ति एवं सृजनात्मकता का विकास सहज रूप में हो, इस दृष्टि से भाषा सरल, सहज, स्पष्ट एवं सुबोध बने, इसका ध्यान रखा गया है। अध्ययन-अध्यापन में अभिरुचि के जागरण हेतु चित्रों की साज-सज्जा तथा भैया/बहिनों की आयु एवं ज्ञान के स्तर को ध्यान में रखते हुए - कविताएँ, कहानी, गीत, लेख, संस्मरण इत्यादि का चयन किया गया है।

समय के साथ रुचियों/अभिरुचियों का परिवर्तन, परिवर्धन अवश्यम्भावी है परन्तु जीवन मूल्यों का आधार ही शिक्षा को सोद्देश्य गतिमान करने में सक्षम हुआ है। शिक्षण सूत्रों-'सरल से कठिन की ओर', 'ज्ञात से अज्ञात की ओर', 'निश्चित से अनिश्चित की ओर' तथा शिक्षण युक्तियाँ-व्याख्या, कहानी, प्रश्नोत्तर, सहगान आदि के आधार पर पाठ्य सामग्री का चयन किया गया है।

सभी पाठों में अभ्यास कार्य के अन्तर्गत शिक्षणेतर गतिविधियों को विशेष स्थान देकर-सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (C.C.E पैटर्न) के मानकों को भी दृष्टिगत् किया गया है।

हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि पुस्तक अपने उद्देश्य में सफलता प्राप्त करेगी। आप सभी के बहुमूल्य सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी तथा हृदय से मैं उनका स्वागत करूँगा।

जिन ज्ञात-अज्ञात लेखकों, कवियों की रचनाओं का समावेश इस पुस्तक में किया गया है उन सबके प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

सन्तोष कुमार त्रिवेदी
एम.ए. (राज.शास्त्र, हिन्दी) बी.एड.

पाठ 1 — चन्दन है इस देश की माटी

चन्दन है इस देश की माटी,
तपोभूमि हर ग्राम है।
हर बाला देवी की प्रतिमा,
बच्चा-बच्चा राम है।

हर शरीर मन्दिर-सा पावन,
हर मानव उपकारी है।
जहाँ सिंह बन गए खिलौने,
गाय जहाँ माँ प्यारी है।
जहाँ सवेरा शंख बजाता,
लोरी गाती शाम है। ॥ 1॥

जहाँ कर्म से भाग्य बदलते,
श्रम निष्ठा कल्याणी है।
त्याग और तप की गाथाएँ,
गाती कवि की वाणी है।
ज्ञान जहाँ का गंगा जल सा,
निर्मल है अविराम है। ॥ 2॥

इसके सैनिक समर भूमि में,
गाया करते गीता हैं।
जहाँ खेत में हल के नीचे,
खेला करती सीता है।
जीवन का आदर्श यहाँ पर,
परमेश्वर का धाम है। ॥ 3॥

-: अभ्यास :-

1. **-: शब्दार्थ :-**

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
प्रतिमा	मूर्ति	पावन	पवित्र
समर भूमि	युद्ध भूमि	गाथाएँ	कथाएँ
अविराम	लगातार	धाम	पवित्र स्थान
श्रम निष्ठा	परिश्रम में विश्वास		

2. **निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-**

क. कविता में चन्दन किसे कहा गया है?

ख. कविता में सवेरे और शाम का क्या-क्या काम है?

ग. कवि की वाणी क्या गाती है?

घ. कविता में गीता कौन और कहाँ गाया करते हैं?

----

3. शब्दों का मिलान सही शब्दों के साथ कीजिए :-

क.	तपो भूमि (उदाहरण) → हर ग्राम है	माँ प्यारी है
ख.	जहाँ सिंह	हल के नीचे
ग.	त्याग और	आदर्श यहाँ पर
घ.	जहाँ खेत में	तप की गाथाएँ
ङ.	जीवन का	हर ग्राम है
च.	गाय जहाँ	बन गए खिलौने

4. रिक्त स्थान उचित शब्दों से पूर्ण कीजिए :-

क. जहाँ ________ से ________ बदलते।

ख. श्रम ________ कल्याणी ________ ।

ग. ________ और ________ की ________ ।

घ. गाती ________ की वाणी ________ ।

ङ. ________ जहाँ का ________ जल ________ ।

च. निर्मल है ________ है।

5. **निम्नलिखित में से सही पर 3 तथा गलत पर 7 चिह्न लगाएँ :-**

क. हर बाला देवी की प्रतिमा ☐

ख. जहाँ सिंह बन गए सवेरा ☐

ग. ज्ञान जहाँ का अविराम है ☐

घ. जहाँ खेत में हल के नीचे ☐

ङ. जीवन का आदर्श धाम है ☐

:- व्यवहार में लाएँ :-

सत्य बोलना, समय पालन, बड़ों का आदर करना इत्यादि।

-: प्रयोग :-

✠ **भैया/बहन आप इसी प्रकार के अच्छे गुण लिखिए :-**

1. ____________________
2. ____________________
3. ____________________
4. ____________________

5. ____________________
6. ____________________
7. ____________________
8. ____________________

पाठ 2 भारतीय नववर्ष

भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

भारतीय नववर्ष चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा (प्रथम तिथि) को मनाया जाता है। इसे वर्ष प्रतिपदा महोत्सव भी कहते हैं :-

हम नववर्ष पर कुछ विशेष कार्य करते हैं।

1. अपने घरों को सजाते हैं।
   नए वस्त्र धारण करते हैं।

2. घर में तरह-तरह
   के पकवान बनाते
   और बाँट कर खाते हैं।

3. इस दिन सभी प्रकार के
   कार्यों को आरम्भ करना
   शुभ माना जाता है।

भारतीय नववर्ष से जुड़े ऐतिहासिक तथ्य :-

1. प्रभु श्री रामचन्द्र जी का राज्याभिषेक इसी दिन हुआ था।

2. यह गुरु अंगददेव जी का प्रकटोत्सव का दिन है।

3. महर्षि दयानन्द जी ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना की थी।

4. संत झूलेलाल जी का जन्म उत्सव भी इसी दिन मनाते हैं।

5. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार जी का जन्म इसी दिन हुआ था।

भारतीय नववर्ष से जुड़ी अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ :-

हमारा नववर्ष - प्यारा नववर्ष

- भारतीय कालगणना चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन से ही आरम्भ होती है।
- व्यापारी इसी दिन वर्षभर का हिसाब-किताब कर, नए खाते आरम्भ करते हैं।
- सम्राट विक्रमादित्य ने आक्रमणकारी शकों को पूरी तरह भारत भूमि से निकाला, उन्हें निर्णायक रूप से पराजित किया था। उसी की स्मृति में इस दिन से विक्रमी संवत् प्रारम्भ हुआ।
- इस दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी।

-: अभ्यास :-

1. शब्दार्थ :-

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
गणना	=	गिनती करना	ऐतिहासिक	=	इतिहास से सम्बन्धित
प्रकटोत्सव	=	जन्म लेने का उत्सव	स्थापना	=	प्रारम्भ

2. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

क. भारतीय नववर्ष के प्रारम्भ होने की तिथि तथा माह लिखो?

ख. शकों को किसने पराजित किया था?

ग. आर्य समाज की स्थापना किसने की थी?

घ. वर्ष प्रतिपदा को किस संत का प्रकटोत्सव मनाते हैं?

ङ. व्यापारी इस दिन क्या करते हैं?

----

3. उचित शब्दों से रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए :-

क. ______________ पर अपने घरों को ______________ हैं।

ख. इसी दिन ______________ का राज्याभिषेक हुआ था।

ग. गुरु ______________ का प्रकटोत्सव मनाते हैं।

घ. स्वामी दयानन्द ने ______________ की स्थापना की।

-: प्रयोग :-

✠ भारतीय नव वर्ष को धूमधाम से मनाने के लिए करने योग्य कार्यों को लिखिए :-